

# दिल्ली राजपत्र

## Delhi Gazette



असाधारण  
EXTRAORDINARY  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 163]  
No. 163]

दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 28, 2012/आश्विन 6, 1934  
DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 28, 2012/ASVINA 6, 1934

[ रा.रा.क्षे.दि. सं. 150  
| N.C.T.D. No. 150

भाग—IV  
PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र, दिल्ली सरकार  
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

राजस्व विभाग

अधिसूचनाएं

दिल्ली, 28 सितम्बर, 2012

फा. सं. 7(1)/रा.वि./स.से.शा./रा.श./उप.म.द./2012/पार्ट फा./2108.—सेवा विभाग, दिल्ली सरकार के आदेश सं. 250 दिनांक 21-05-2012 के सन्दर्भ में श्री राम चन्दर अंतिल, तदर्थ दानिक्स ने दिनांक 20-07-2012 (पूर्वाहन) को उप-मण्डलीय दण्डाधिकारी, (प्रीत विहार), जिला पूर्व का कार्यभार संभाल लिया है। अतः :—

- (1) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा लागू पंजाब भू-राजस्व अधिनियम 1887 (1887 का पंजाब अधिनियम संख्या 17) की धारा 27 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में, श्री राम चन्दर अंतिल, तदर्थ दानिक्स को, उस समय तक सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी की शक्तियों, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।
- (2) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा विस्तारित उत्तरप्रदेश भू-राजस्व अधिनियम 1901 (1901 का अधिनियम संख्या 03) की धारा 223 के साथ पठित धारा 15 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में श्री राम चन्दर अंतिल, तदर्थ दानिक्स को, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उस समय तक सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी के रूप में नियुक्त किया जाता है तथा उस समय तक कलैक्टर की शक्तियों, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।
- (3) दिल्ली भू-राजस्व अधिनियम 1954 (1954 का अधिनियम संख्या 12) की धारा 76 के साथ पठित धारा 07 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा श्री राम चन्दर अंतिल, तदर्थ दानिक्स को, उस समय तक सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी तथा राजस्व सहायक के रूप में नियुक्त किया जाता है तथा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उस समय तक कलैक्टर की सभी शक्तियों, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जबतक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।

- (4) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा लागू उत्तरी भारत नहर तथा जल निकास अधिनियम 1873 (1873 का अधिनियम संख्या 02) की धारा 03 के खंड 6 के साथ पठित धारा 04 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में, श्री राम चन्दर अंतिल, तदर्थ दानिक्स को कलैक्टर के रूप में, सभी कार्यों को करने अथवा अधिरोधित करने के लिये, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।
- (5) दिल्ली भूमि सुधार अधिनियम 1954 के अधिनियम संख्या 8 की धारा 3 के खंड 19 ए के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची 1 परिशिष्ट में वर्णित राजस्व सहायक के कार्यों को निर्वाहन करने के लिए श्री राम चन्दर अंतिल, तदर्थ दानिक्स को, उस समय तक सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी की शक्तियों, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।
- (6) पूर्वी पंजाब जोत (चकबंदी तथा विखंडन रोकथाम) अधिनियम 1948 (1948 का पूर्वी पंजाब अधिनियम संख्या 50) की धारा 20 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए, श्री राम चन्दर अंतिल, तदर्थ दानिक्स को उस समय तक बन्दोबस्त अधिकारी (चकबन्दी) के रूप में, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेशों तक इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।
- (7) दिल्ली भूमि जोत (सीमाबंदी) अधिनियम 1960 (1960 का अधिनियम सं० 24) की धारा 2 के खंड ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल उक्त अधिनियम के अंतर्गत उस समस्त क्षेत्र के लिए जहां लागू होता हो, के लिये सक्षम प्राधिकारी का कार्य करने के लिये श्री राम चन्दर अंतिल, तदर्थ दानिक्स को, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं अथवा अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्राधिकृत किया जाता है।

#### REVENUE DEPARTMENT

#### NOTIFICATIONS

Delhi, the 28th September, 2012

**F. No. 7(1)/Rev. Dept./G.Abr. Rev. P./SDM/2012/P.F./2108.**— In pursuance of the Services Department's order No. 250 dated 21-05-2012, Shri Ram Chander Antil, Ad hoc DANICS has joined as Sub-Divisional Magistrate (Preet Vihar), Distt. East on 20-07-2012 (F/N). Now, therefore,

1. In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 27 of the Punjab Land Revenue Act, 1887 (Punjab Act No. XVII of 1887) as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi hereby confers upon **Shri Ram Chander Antil, Adhoc DANICS** the power of Assistant Collector, 1st Class under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
2. In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 15 read with 223 of the Uttar Pradesh Land Revenue Act, 1901 (Act No. III of 1901) as extended to the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi hereby appoints **Shri Ram Chander Antil, Adhoc DANICS** as Assistant Collector, 1st Class under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, and confers upon him all the powers of Collector under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
3. In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 read with 76 of the Delhi Land Revenue Act, 1954 (Act No. 12 of 1954) the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi, hereby appoints **Shri Ram Chander Antil, Adhoc DANICS** as Assistant Collector, 1st Class and Revenue Assistant in the National Capital Territory of Delhi and confers upon him all the powers of Collector under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
4. In exercise of the powers conferred by Section 4 read with Clause 6 of Section 3 of the Northern India Canal & Drainage Act, 1873 (Act No. 2 of 1873), as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi, hereby appoints **Shri Ram Chander Antil, Adhoc DANICS** as Collector, to exercise or perform the duties conferred or imposed under the said Act within the

National Capital Territory of Delhi, w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

5. In exercise of powers conferred by Clause 19-A of Section 3 of the Delhi Land Reforms Act, 1954 (Act No. 8 of 1954) the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi, hereby empowers **Shri Shri Ram Chander Antil, Adhoc DANICS** as Assistant Collector, Ist class to perform the function of Revenue Assistant described in the Schedule I as appended to the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
6. In exercise of the powers conferred by Sub Section (1) of Section 20 of East Punjab Holdings (Consolidation & Prevention of Fragmentation) Act 1948 (Act No. 50 of 1948) as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to appoints **Shri Ram Chander Antil, Adhoc DANICS** as Settlement Officer (Consolidation) for National Capital Territory of Delhi, w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
7. In exercise of the powers conferred by Clause (c) of the Section 2 of the Delhi Land Holding (Ceiling) Act, 1960 (F.No. 24 of 1960) the Lt. Governor National Capital Territory of Delhi, is pleased to authorize **Shri Ram Chander Antil, Adhoc DANICS** to perform the function of the Competent Authority under the said Act within the whole areas to which the provision of the said act are applicable w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

फा. सं. 7(1)/रा.वि./स.से.शा./रा. श./उप. म.द./2012/पार्ट फा./2107.—सेवा विभाग, दिल्ली सरकार के आदेश सं. 423 दिनांक 01-08-2012 के सन्दर्भ में श्री शाम चन्द, दानिक्स ने दिनांक 03-08-2012 (पूर्वाह्न) को उप-मण्डलीय दण्डाधिकारी, (सिविल लाइन्स), जिला उत्तर का कार्यभार संभाल लिया है। अतः :—

- (1) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा लामू पंजाब भू-राजस्व अधिनियम 1887 (1887 का पंजाब अधिनियम संख्या 17) की धारा 27 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में, श्री शाम चन्द, दानिक्स को, उस समय तक सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी की शक्तियों, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।
- (2) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा विस्तारित उत्तरप्रदेश भू-राजस्व अधिनियम 1901 (1901 का अधिनियम संख्या 03) की धारा 223 के साथ पठित धारा 15 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में श्री शाम चन्द, दानिक्स को, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उस समय तक सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी के रूप में नियुक्त किया जाता है तथा उस समय तक कलेक्टर की शक्तियों, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।
- (3) दिल्ली भू-राजस्व अधिनियम 1954 (1954 का अधिनियम संख्या 12) की धारा 76 के साथ पठित धारा 07 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा श्री शाम चन्द, दानिक्स को, उस समय तक सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी तथा राजस्व सहायक के रूप में नियुक्त किया जाता है तथा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उस समय तक कलेक्टर की सभी शक्तियों, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।
- (4) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा लामू उत्तरी भारत नहर तथा जल विकास अधिनियम 1873 (1873 का अधिनियम संख्या 02) की धारा 03 के खण्ड 6 के साथ पठित धारा 04 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में, श्री शाम चन्द, दानिक्स को कलेक्टर के रूप में, सभी कार्यों को करने अथवा अधिरोधित करने के लिये, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।
- (5) दिल्ली भूमि सुधार अधिनियम 1954 के अधिनियम संख्या 8 की धारा 3 के खंड 19 ए के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची 1 परिशिष्ट में वर्णित राजस्व सहायक के कार्यों को निर्वाहन करने के लिए श्री शाम चन्द, दानिक्स को, उस समय तक सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी की शक्तियों, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।

- (6) पूर्वी पंजाब जोत (चकबंदी तथा विखंडन रोकथाम) अधिनियम 1948 (1948 का पूर्वी पंजाब अधिनियम संख्या 50) की धारा 20 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए, **श्री शाम चन्द, दानिक्स** को उस समय तक बन्दोबस्त अधिकारी (चकबन्दी) के रूप में, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं या अगले आदेशों तक इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।
- (7) दिल्ली भूमि जोत (सीमाबंदी) अधिनियम 1960 (1960 का अधिनियम सं० 24) की धारा 2 के खंड ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल उक्त अधिनियम के अंतर्गत उस समस्त क्षेत्र के लिए जहां लागू होता हो, के लिये सक्षम प्राधिकारी का कार्य करने के लिये **श्री शाम चन्द, दानिक्स** को, अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में उपमण्डलीय दण्डाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं अथवा अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो, प्राधिकृत किया जाता है।

**F. No. 7(1)/Rev. Dept./GA br. Rev. P./SDM/2012/P.F./2107.**— In pursuance of the Services Department's order No. 423 dated 01-08-2012, Shri Sham Chand, DANICS has joined as Sub-Divisional Magistrate (Civil Lines), Distt. North on 03-08-2012 (F/N). Now, therefore,

- In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 27 of the Punjab Land Revenue Act, 1887 (Punjab Act No. XVII of 1887) as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi hereby confers upon **Shri Sham Chand, DANICS** the power of Assistant Collector, Ist Class under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
- In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 15 read with 223 of the Uttar Pradesh Land Revenue Act, 1901 (Act No. III of 1901) as extended to the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi hereby appoints **Shri Sham Chand, DANICS** as Assistant Collector, Ist Class under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, and confers upon him all the powers of Collector under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
- In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 read with 76 of the Delhi Land Revenue Act, 1954 (Act No. 12 of 1954) the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi, hereby appoints **Shri Sham Chand, DANICS** as Assistant Collector, Ist Class and Revenue Assistant in the National Capital Territory of Delhi and confers upon him all the powers of Collector under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
- In exercise of the powers conferred by Section 4 read with Clause 6 of Section 3 of the Northern India Canal & Drainage Act, 1873 (Act No. 2 of 1873) as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi, hereby appoints **Shri Sham Chand, DANICS** as Collector, to exercise or perform the duties conferred or imposed under the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
- In exercise of powers conferred by Clause 19-A of Section 3 of the Delhi Land Reforms Act, 1954 (Act No. 8 of 1954) the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi, hereby empowers **Shri Sham Chand, DANICS** as Assistant Collector, Ist class to perform the function of Revenue Assistant described in the Schedule I as appended to the said Act within the National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
- In exercise of the powers conferred by Sub Section (1) of Section 20 of East Punjab Holdings (Consolidation & Prevention of Fragmentation) Act 1948 (Act No. 50 of 1948) as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to appoints **Shri Sham Chand, DANICS** as Settlement Officer (Consolidation) for National Capital Territory of Delhi, w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.
- In exercise of the powers conferred by Clause (c) of the Section 2 of the Delhi Land Holding (Ceiling) Act, 1960 (F.No. 24 of 1960) the Lt. Governor National Capital Territory of Delhi, is pleased to authorize **Shri Sham Chand, DANICS** to perform the function of the Competent Authority under the said Act within the whole areas to which the provision of the said act are applicable w.e.f date of assumption of charge and so long as he holds the Post of Sub-Divisional Magistrate in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

फा. सं. 7(13)/राजस्व/जी.ए./राज. श./तहसी./2012/पी. एफ.-II/2111.—सेवा विभाग, दिल्ली सरकार के आदेश सं. 331 दिनांक 22-06-2012 तथा सं. 370 दिनांक 11-07-2012 के संदर्भ में श्री तरुण कुमार, ग्रेड-1 (दास) और श्री राकेश कुमार पाण्डे, ग्रेड-1 (दास) ने दिनांक 18-07-2012 (पूर्वाह्न) एवं 01-08-2012 (पूर्वाह्न) को तहसीलदार (सीमापुरी/शाहदरा) जिला उत्तर-पूर्व व तहसीलदार (कोतवाली) जिला उत्तर का कार्यभार संभाल लिया है। अतः :-

1. सं0.7/(13)/रा. स्थ./स.र./97/-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथाविस्तारित पंजाब भू-राजस्व अधिनियम 1887 की उप-धारा 27/1/बी (1887 अधिनियम सं0 17), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा श्री तरुण कुमार, ग्रेड-1 (दास) और श्री राकेश कुमार पाण्डे, ग्रेड-1 (दास) को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वे राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, कथित क्षेत्र में सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी की शक्तियां प्रदान की जाती हैं।
2. सं0.7/(13)/रा. स्थ./स.र./97/(ii) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा विस्तारित उत्तर-प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम 1901 की धारा 15 की उप धारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा श्री तरुण कुमार, ग्रेड-1 (दास) और श्री राकेश कुमार पाण्डे, ग्रेड-1 (दास) को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वे राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, कथित क्षेत्र में सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी की शक्तियां प्रदान की जाती हैं।
3. सं0. 7/(13)/रा. स्थ./ .र./97/(iii) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा विस्तारित पूर्वी पंजाब जोत (चकबंदी एवं विखण्डन रोकथाम) अधिनियम 1948 (1948 की अधिनियम सं0 50) की धारा 14 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा श्री तरुण कुमार, ग्रेड-1 (दास) और श्री राकेश कुमार पाण्डे, ग्रेड-1 (दास) को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वे राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, कथित क्षेत्र में उक्त शक्तियां व अधिनियम के अंतर्गत चकबंदी अधिकारी नियुक्त किया जाता है।
4. सं0. 7/(13)/रा. स्थ./स.र./97/ (iv) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा विस्तारित दिल्ली भू-राजस्व अधिनियम 1954 (1954 की अधिनियम सं0 12) की धारा 77 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा श्री तरुण कुमार, ग्रेड-1 (दास) और श्री राकेश कुमार पाण्डे, ग्रेड-1 (दास) को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वे राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, कथित क्षेत्र में सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी की शक्तियां प्रदान की जाती हैं।

F. No. 7(13)/REV. /GA/Rev. P./Teh./2012/P.F.-II/2111.—In pursuance of the Services Department's order No. 331 dated 22-06-2012, & No. 370 dated 11-07-2012 Sh. Tarun Kumar, Grade-I (DASS) & Sh. Rakesh Kumar Pandey, Grade-I (DASS) have joined as Tehsildar (Seemapuri/Shahdara), Distt. North East & Tehsildar (Kotwali), Distt. North on 18-07-2012 (F/N) & 01-08-2012 (F/N) respectively. Now, therefore,

1. In exercise of the powers conferred by Clause (b) of sub-section (1) of Section 27 of the Punjab Land Revenue Act, 1887 (Act No. XVII of 1887), as enforced in the NCT of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory Delhi is pleased to confer upon Sh. Tarun Kumar, Grade-I (DASS) & Sh. Rakesh Kumar Pandey, Grade-I (DASS) the powers of Assistant Collector, Grade-II under the said Act in the said territory, w.e.f. their date of assumption of charge and so long as they hold the post of Tehsildar in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
2. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 15 of the Uttar Pradesh Land Revenue Act, 1901, as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon Sh. Tarun Kumar, Grade-I (DASS) & Sh. Rakesh Kumar Pandey, Grade-I (DASS) the powers of Assistant Collector, Grade-II under the said Act in the said territory, w.e.f. their date of assumption of charge and so long as they hold the post of Tehsildar in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.

3717DG/12-2

3. In exercise of powers conferred by sub-section (2) of Section 14 of the East Punjab Holdings (Consolidation and Prevention of Fragmentation) Act 1948 (Act No. 50 of 1948), as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi hereby appoints **Sh. Tarun Kumar, Grade-I (DASS) & Sh. Rakesh Kumar Pandey, Grade-I (DASS)** as Consolidation Officers in the said Territory for the purpose of the aforesaid Act, w.e.f. their date of assumption of charge and till such time as they hold the post of Tehsildar in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
4. In exercise of powers conferred by Section 77 of the Delhi Land Revenue Act, 1954 (Act No. 12 of 1954), the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon **Sh. Tarun Kumar, Grade-I (DASS) & Sh. Rakesh Kumar Pandey, Grade-I (DASS)** the powers of Assistant Collector, Grade-II under the said Act in the said territory, w.e.f. their date of assumption of charge and so long as they hold the post of Tehsildar in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.

**फा. सं. 7(1)/राजस्व/जी.ए./राज. श./ अ. जिला दण्डाधिकारी/2012/पी. एफ/2110.**—सेवा विभाग, दिल्ली सरकार के आदेश सं. 182 दिनांक 27-04-2012, तदनुपरांत इस विभाग के आदेश दिनांक 12-07-2012 व जिला उत्तर-पूर्व के आदेश दिनांक 16-07-2012 के संदर्भ में श्री राजेश गोयल (दानिक्स) ने दिनांक 17-07-2012 (पूर्वाह्न) को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी (पश्चिम), जिला पश्चिम दिल्ली का कार्यभार सम्भाल लिया है। अतः :—

1. दिल्ली भू-राजस्व अधिनियम 1954 की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा **श्री राजेश गोयल (दानिक्स)** को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के पद पर बने रहते हैं अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अतिरिक्त क्लैक्टर नियुक्त करते हैं तथा उसी अधिनियम की धारा 6 तथा 76 के अंतर्गत उन्हें जिलाधीश राजस्व की शक्तियां प्रदान करते हैं।
2. दिल्ली भूमि सुधार अधिनियम 1954 की धारा 3 (6) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा **श्री राजेश गोयल (दानिक्स)** को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के पद पर बने रहते हैं अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त अधिनियम के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में उपायुक्त के कार्य पालन हेतु शक्तियां प्रदान करते हैं।
3. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यथा-विस्तारित पंजाब टेनेसी अधिनियम 1887 की धारा 105 (1) (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा **श्री राजेश गोयल (दानिक्स)** को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के पद पर बने रहते हैं अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त अधिनियम के अंतर्गत क्लैक्टर की समस्त शक्तियां प्रदान करते हैं।
4. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा-विस्तारित पंजाब भू-राजस्व अधिनियम 1887 की धारा 27 (1) (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा **श्री राजेश गोयल (दानिक्स)** को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के पद पर बने रहते हैं अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त अधिनियम के अंतर्गत क्लैक्टर की समस्त शक्तियां प्रदान करते हैं।
5. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा-विस्तारित उत्तर प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1901 की धारा 14 (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा **श्री राजेश गोयल (दानिक्स)** को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के पद पर बने रहते हैं अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त अधिनियम के अंतर्गत क्लैक्टर की समस्त शक्तियां प्रदान करते हैं।
6. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा-विस्तारित पूर्वी पंजाब जोत (चकबंदी तथा विखण्डन रोकथाम) अधिनियम 1948 की धारा 41(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा **श्री राजेश गोयल (दानिक्स)** को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के पद पर बने रहते हैं अथवा आगामी आदेशों तक जो पहले हो, कथित अधिनियम की धारा 21 (4) के अंतर्गत बंदोबस्त अधिकारी (चकबंदी) धारा 21 (3) में पारित किए गए आदेशों के खिलाफ समस्त अपीलें सुनने के लिए अपीलेंट अथोरिटी नियुक्त करते हैं।

**F. No. 7(1)/Rev./Deptt./GA. br./Rev. P./ADM/2012/P. F/2110.**—In pursuance of the Services Department's order No. 182 dated 27-04-2012, and further this deptt. order dated 12-07-12 and DC (NE) order 16-07-2012, Sh. Rajesh Goyal, DANICS has joined as Additional District Magistrate (West), Distt. West on 17-07-2012 (F./N.). Now, therefore,

1. In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Delhi Land Revenue Act, 1954, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to appoint **Sh. Rajesh Goyal, DANICS** as Additional Collector in the National Capital Territory of Delhi and delegates him the powers of Collector under Section 6 read with Section 76 of the said Act w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
2. In exercise of powers conferred by section 3(6) of the Delhi Land Reforms Act, 1954, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to empower **Sh. Rajesh Goyal, DANICS** to discharge the functions of Deputy Commissioner under the said Act in the National Capital Territory of Delhi, w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
3. In exercise of the powers conferred by section 105(1)(a) of the Punjab Tenancy Act, 1887 as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon **Sh. Rajesh Goyal, DANICS** all the powers of the Collector under the said Act in the National Capital Territory of Delhi w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
4. In exercise of the powers conferred by Section 27(1)(a) of the Punjab Land Revenue Act, 1887, as enforced in the NCT of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory Delhi is pleased to confer upon **Sh. Rajesh Goyal, DANICS** the powers of the Collector under the said Act in the National Capital Territory of Delhi, w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
5. In exercise of the powers conferred by Section 14(A) of the Uttar Pradesh Land Revenue Act, 1901, as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon **Sh. Rajesh Goyal, DANICS** all the powers of the Collector under the said Act in the National Capital Territory of Delhi, w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
6. In exercise of powers conferred by Section 41(1) of the East Punjab Holdings (Consolidation and Prevention of Fragmentation) Act 1948, as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi hereby appoint **Sh. Rajesh Goyal, DANICS** and delegate him the powers of hearing appeals under Section 21(4) of the said Act against the order of Settlement Officer (Consolidation) passed under Section 21(3) of the said Act, w.e.f. date of assumption of charge and so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.

**फा. सं. 7(13)/राजस्व/जी.ए./राज. श./तहसी./2012/पी.एफ.-II/2109.**—सेवा विभाग, दिल्ली सरकार के आदेश सं. 148 दिनांक 02-04-2012, के संदर्भ में श्री राजीव कुमार, ग्रेड-1 (दास) ने दिनांक 18-05-2012 (पूर्वाह्न) को तहसीलदार (पहाड़ गंज), जिला-मध्य, का कार्यभार संभाल लिया है। अतः :—

1. सं0.7/(13)/रा. स्थ./स.र./97/-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथाविस्तारित पंजाब भू-राजस्व अधिनियम 1887 की उप-धारा 27/1/बी (1887 अधिनियम सं0 17), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा **श्री राजीव कुमार, ग्रेड-1 (दास)** को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, कथित क्षेत्र में सहायक क्लैक्टर द्वितीय श्रेणी की शक्तियां प्रदान की जाती हैं।
2. सं0.7/(13)/रा. स्थ./स.र./97/(ii) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा विस्तारित उत्तर-प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम 1901 की धारा 15 की उप धारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा **श्री राजीव कुमार, ग्रेड-1 (दास)** को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, कथित क्षेत्र में सहायक क्लैक्टर द्वितीय श्रेणी की शक्तियां प्रदान की जाती हैं।

3. सं०. 7/(13)/रा. स्थ./र.र./97/(iii) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा विस्तारित पूर्वी पंजाब जोत (चकबंदी एवं विखण्डन रोकथाम) अधिनियम 1948 (1948 की अधिनियम सं० 50) की धारा 14 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा श्री राजीव कुमार, ग्रेड-1 (दास) को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, कथित क्षेत्र में उक्त शक्तियां व अधिनियम के अंतर्गत चकबंदी अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

4. सं०. 7/(13)/रा. स्थ./स.र./97/ (iv) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यथा विस्तारित दिल्ली भू-राजस्व अधिनियम 1954 (1954 की अधिनियम सं० 12) की धारा 77 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद् द्वारा श्री राजीव कुमार, ग्रेड-1 (दास) को अपने कार्यभार संभालने की तिथि से एवं जब तक वह राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, कथित क्षेत्र में सहायक कलेक्टर द्वितीय श्रेणी की शक्तियां प्रदान की जाती हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेश से तथा उनके नाम पर,

कुलदीप सिंह गंगर, विशेष सचिव (राजस्व)

**F. No. 7(13)/REV./GA/Rev. P.Teh./2012/P. F. -II/2109.**—In pursuance of Services Department's order No. 148 dated 02-04-2012, Sh. Rajeev Kumar, Grade-I (DASS) has joined as Tehsildar (Pahar Ganj), Distt. Central on 18-05-2012 (F/N). Now, therefore,

1. In exercise of the powers conferred by Clause (b) of sub-section (1) of Section 27 of the Punjab Land Revenue Act, 1887 (Act No. XVII of 1887), as enforced in the NCT of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory Delhi is pleased to confer upon Sh. Rajeev Kumar, Grade-I (DASS) the powers of Assistant Collector, Grade-II under the said Act in the said territory, w.e.f. his date of assumption of charge and so long as he holds the post of Tehsildar in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
2. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 15 of the Uttar Pradesh Land Revenue Act, 1901, as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon Sh. Rajeev Kumar, Grade-I (DASS) the powers of Assistant Collector, Grade-II under the said Act in the said territory, w.e.f. his date of assumption of charge and so long as he holds the post of Tehsildar in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
3. In exercise of powers conferred by sub-section (2) of Section 14 of the East Punjab Holdings (Consolidation and Prevention of Fragmentation) Act 1948 (Act No. 50 of 1948), as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi hereby appoints Sh. Rajeev Kumar, Grade-I (DASS) as Consolidation Officers in the said Territory for the purpose of the aforesaid Act, w.e.f. his date of assumption of charge and till such time as he holds the post of Tehsildar in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.
4. In exercise of powers conferred by Section 77 of the Delhi Land Revenue Act, 1954 (Act No. 12 of 1954), the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon Sh. Rajeev Kumar, Grade-I (DASS) the powers of Assistant Collector, Grade-II under the said Act in the said territory, w.e.f. his date of assumption of charge and so long as he holds the post of Tehsildar in the Revenue Department or till further orders which ever is earlier.

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of National Capital Territory of Delhi,

KULDEEP SINGH GANGAR, Spl. Secy. (Revenue)



## व्यापार एवं कर विभाग

## अधिसूचनाएं

दिल्ली, 28 सितम्बर, 2012

फा. सं. 7(239)/नीति-1/05/वैट/2009/687-700.—दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 31 के उप-नियम 5 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, राजेन्द्र कुमार, आयुक्त मूल्य संवर्धित कर, निर्धारित करता हूँ कि समस्त पंजीकृत व्यापारी एवं अनुबंधी (टैन धारक), दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 के अन्तर्गत अपने देयकर, ब्याज, अर्थदंड या कोई अन्य राशि का भुगतान, अधिसूचना संख्या फा. सं. 7(400)/नीति/वैट/2011/1006-1018 दिनांक 28.12.2011, फा. सं. 7(400)/नीति/वैट/2011/47-60 दिनांक 30.04.2012 तथा फा. सं. 7(239)/नीति-1/05/वैट/2009/1275-1287 दिनांक 21.02.2012, फा. सं. 7(239)/नीति-1/05/वैट/2009/378-391 दिनांक 26.07.2012, फा. सं. 7(239)/नीति-1/05/वैट/2009/507-519 दिनांक 24.08.2012 के द्वारा अधिसूचित बैंकों के अतिरिक्त दिनांक 01/10/2012 से सिडीकेट बैंक के ई-पोर्टल द्वारा भी अनिवार्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से करेंगे।

दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली 2005 के नियम 28 व उपनियम 3 एवं नियम 59 के उपनियम 2 के उद्देश्य से इन्टरनेट संबंधित बैंकों की वेबसाइट पर द्वारा किए गए भुगतान के समय छपे यूनिक चालान आइडेंटिफिकेशन नंबर (19 अंकीय सी. आई. एन.) वाले चालान के सी पार्ट को रिटर्न के साथ संलग्न होने वाले भुगतान के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

व्यापारी एवं अनुबंधी (टैन धारक) अपने रिकार्ड के लिए संबंधित बैंक से हस्ताक्षरित एवं मुहर लगी चालान के पार्ट डी की कॉपी प्राप्त करेंगे। इस प्रकार से किए गए भुगतान को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद ही, जैसाकि प्रचलन में है, क्रेडिट किया जाएगा। ई-भुगतान की योजना की मुख्य विशेषताएं संलग्नक में वर्णित है।

उपरोक्त बैंक सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के सुरक्षा एवं अन्य प्रावधानों का पालन करेंगे।

**संलग्नक**

### ऑन लाइन भुगतान योजना की मुख्य विशेषताएं

1. डीलर्स इन्टरनेट के द्वारा कहीं से भी और किसी भी समय दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम/ अथवा केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम के अंतर्गत अपने कर/ब्याज/जुर्माने अथवा अन्य किसी देय का भुगतान कर सकते हैं।
2. यह भुगतान डीलर के द्वारा संबंधित बैंक की वेबसाइट पर अपने बचत एवं चालू खाते के माध्यम से किया जा सकता है।
3. यूजर आई.डी., पासवर्ड व अन्य सूचना संबंधित बैंक द्वारा दी जायेगी।
4. देय राशि के सफल भुगतान के बाद चालान के सी पार्ट की कॉपी को प्रिंट किया जा सकता है।

5. उपरोक्त चालान का प्रिंट लेने से पहले 19 डिजिट वाले चालान आइडेंटिफिकेशन नं० {CIN} की जांच कर लें ।
6. व्यापार एवं कर विभाग में अपनी रिटर्न दाखिल करते समय संबंधित टैक्स-पीरियड की रिटर्न के साथ में चालान के सी पार्ट को हस्ताक्षर व मोहर लगाने के बाद संलग्न कर दें ।
7. भुगतान के बाद अपने खाते से डेबिट किए गए भुगतान की जांच कर लें ।
8. चालान का पार्ट डी संबंधित बैंक द्वारा समुचित हस्ताक्षर व प्रमाणीकरण के बाद भुगतान के बदले में रिकार्ड के लिए भेजा जायेगा ।
9. रात्रि आठ बजे से, प्रातः 8 बजे तक किए गए भुगतान को अगले कार्य दिवस के भुगतान में सम्मिलित किया जायेगा, जबकि प्रातः 8 बजे से रात 8 बजे तक किए गए भुगतान को उसी दिन के भुगतान में गिना जायेगा ।
10. रविवार व अन्य अवकाश के दिनों में किसी भी समय किए गए भुगतान को अगले कार्य दिवस के भुगतान में गिना जायेगा ।

#### DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

#### NOTIFICATIONS

Delhi, the 28th September, 2012

F. No. 7 (239)/P-I/05/VAT/2009/687-700.—In exercise of the powers conferred under Sub-Rule 5 of Rule 31 of the DVAT Rules, 2005, I, Rajendra Kumar, Commissioner Value Added Tax, do hereby prescribe for all registered dealers and contractees (TAN holders) to make payment of their tax, interest, penalty or any other amount due under Delhi Value Added Tax Act, 2004, compulsorily through electronic mode of payment from the e-payment portal of the **Syndicate Bank** with effect from 01.05.2012, in addition to the banks already notified vide notification No.F.7(400)/Policy/VAT/2011/1006-1018 dated 28.12.2011, No.F.7(400)/Policy/VAT/2011/47-60 dated 30.04.2012 and No.F.7(239)/P-I/05/VAT/2009/1275-1287 dated 21.02.2012, No.F.7(239)/P-I/05/VAT/2009/378-391 dated 26.07.2012 and No.F.7(239)/P-I/05/VAT/2009/507-519 dated 24.08.2012.

Part 'C' of the challan having unique Challan Identification Number (19 digit CIN) printed at the time of making payment on internet (Concerned Bank's web site) will be accepted as proof of payment for enclosing with the return for the purpose of sub rule 3 of Rule 28 and sub-rule 2 of Rule 59 of Delhi Value Added Tax Rules, 2005.

The dealers and contractees (TAN holders) will obtain signed and stamped copy of Part 'D' of the challan from the concerned bank for their record. The amount so deposited will however be credited after confirmation from Reserve Bank of India as in operation now. Salient features of the scheme of e-payment are enclosed at Annexure-I.

The Bank shall adhere to the security and other provisions of Information Technology Act, 2000.

## **ANNEXURE**

### **SALIENT FEATURES OF THE ON-LINE PAYMENT SCHEME**

1. Dealer/Contractee (TAN holder) can make payment of tax, interest, penalty or any other amount due under Delhi Value Added Tax Act, 2004 and / or Central Sales Tax Act, 1956 through Internet from anywhere and at any time.
2. The payment has to be made from saving/current account of the dealer/Contractee (TAN holder) or any other person on his behalf through web site of the concerned bank.
3. User ID and Password and other information will be provided by the concerned bank.
4. Part 'C' of the Challan may be printed after successful payment of the dues.
5. Check 19 digit Challan Identification Number (CIN) on the challan before printing the same.
6. Enclose Part 'C' of the challan after signing and stamping it with the return of the tax period to which the payment pertains at the time of filing the return with the Department of Trade and Taxes.
7. Check the payment so debited from the account statement after transaction.

8. Part 'D' of the challan will be sent by the concerned bank in lieu of the payment made for record after duly signing and stamping.
9. Payments made after 8.00 p.m. till 8.00 a.m. next day will be accounted in the next working day's payment and payment made between 8.00 a.m. to 8.00 p.m. on any working day will be accounted for the same day.
10. Payments made at any time on Sundays & holidays will be accounted in the next working day's payment.

( नीति शाखा )

फा. सं. 7(433)/नीति-2/वैट/2012/676-686.—मैं, राजेन्द्र कुमार, आयुक्त, मूल्य संवर्धित कर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 की धारा 70 की उप-धारा (3) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा मुझे प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 05-09-2012 को जारी अधिसूचना सं. फा. 7(433)/नीति-II/वैट/2012/585-595, जो कि प्रपत्र टी-2 में दी जाने वाली सूचना से संबंधित है, में आंशिक आशोधन करते हुए निर्देश देता हूँ कि यह अधिसूचना अब दिनांक 15 अक्टूबर, 2012 से प्रभावी होगी।

राजेन्द्र कुमार, आयुक्त, मूल्य संवर्धित कर

(POLICY BRANCH)

No. F. 7(433)/Policy-II/VAT/2012/676-686.—I, Rajendra Kumar, Commissioner, Value Added Tax, Government of National Capital Territory of Delhi, in exercise of the powers conferred on me by sub-section (1) read with sub-section (3) of section 70 of Delhi Value Added Tax Act, 2004, hereby direct that notification no. F. 7(433)/Policy-II/VAT/2012/585-595 dated 05-09-2012, regarding submission of information in Form T-2, shall in partial modification to the said notification, come into force with effect from the fifteenth day of October, 2012.

RAJENDRAKUMAR, Commissioner, VAT